B.A. 1st Semester (Honours) Examination, 2019 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Paper : CC-I

Time: 3 Hours **Full Marks: 60**

The figures in the margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answer in their own words as far as practicable.

1. প্রত্যেকাত্ বিভাগাত্ ন্যূনতয়া প্রশ্নত্রয়ং স্বীকৃত্য দশপ্রশ্নানাম্ উত্তরং সংস্কৃতভাষয়া দেবনাগরীলিপিমাশ্রিত্য সমাধীয়তাম্। 2×10=20

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে দশটি প্রশ্নের উত্তর সরল সংস্কৃতে দেবনাগরী লিপিতে লিখতে হবে। প্রত্যেকটি বিভাগ থেকে অন্তত তিনটি করে প্রশ্নের উত্তর অবশ্যই করতে হবে।

বিভাগ: 'ক'
বিভাগ–'ক'

(a) বাল্মীকি-মুখাত্ নির্গত: আদিশ্লোক: লিখ্যতাম্।
বাল্মীকির মুখ থেকে নির্গত আদি শ্লোকটি লেখো।

(b) সংস্কৃতপ্রতিশব্দ: লিখ্যতাম্– রামানুজ:, দ্বিজিহ্ব:
সংস্কৃত প্রতিশব্দ লেখো— রামানুজঃ, দ্বিজিহ্বঃ

(c) পরশুরাম: কথং মাতরং হতবান্? তস্য মাতু: নাম কিম্?
পরশুরাম কেন তাঁর মাকে হত্যা করেছিলেন? কে তাঁর মা?

(d) প্রকৃতি-প্রত্যয়: নিরূপ্যতাম্–
প্রকৃতি প্রত্যয় লেখো—
(i) আচচক্ষে
(ii) উপস্থিত:

(e) 'কিন্তু লোকাপবাদো বলবান্ মতো মে'–'মে' ইতি পদেন ক: বোধ্যতে? অস্য শ্লোকস্য অন্তর্নিহিতার্থ: স্পষ্টীক্রিয়তাম্।
'কিন্তু লোকাপবাদো বলবান্ মতো মে'–'মে' পদের দ্বারা কাকে বোঝানো হয়েছে? এই শ্লোকের অন্তর্নিহিত অর্থ লেখো।

বিভাগ: 'খ'
বিভাগ–'খ'

(f) কিরাতার্জুনীয়ম্ ইতি কাব্যস্য নায়ক: ক:? অস্য কাব্যস্য মুখ্য-রস: লিখ্যতাম্।
কিরাতার্জুনীয়ম্ কাব্যের নায়ক কে? কাব্যের মুখ্যরস লেখো।

(g) सन्धिविच्छेदः क्रियताम्–
সন্ধিবিচ্ছেদ করো—
(i) वसूपमानस्य
(ii) कुरुवश्चकासति

(h) 'निहन्ति दण्डेन स धर्मविप्लवम्'– अस्य श्लोकस्य अन्तर्निहितार्थ निरूप्यताम्।
'নিহন্তি দণ্ডেন স ধর্মবিপ্লবম্'– এই শ্লোকটির অন্তর্নিহিতার্থ নিরূপণ করো।

(i) 'किरातार्जुनीयम्' इति काव्यं केन विरचितम्? काव्येऽस्मिन् कति सर्गाः विद्यन्ते?
কিরাতার্জুনীয়ম্ কাব্যটি কে লিখেছেন? এর সর্গ সংখ্যা কত?

(j) 'न बाधतेऽस्य त्रिगणः परस्परम्'– अत्र 'त्रिगणः' इति शब्दस्य अर्थः स्पष्टीक्रियताम्।
'न बाधतेऽस्य त्रिगणः परस्परम्'– 'त्रिगणः' শব্দের অর্থ লেখো।

विभागः 'ग'
বিভাগ–'গ'

(k) भट्टिकाव्यस्य टीकाद्वयं टीकाकारनामसहितं लिख्यताम्।
ভট্টিকাব্যের টীকাকারের নাম সহ দুটি টীকার নাম লেখো।

(l) रामायणमवलम्ब्य विरचितस्य एकस्य महाकाव्यस्य नाम लिख्यताम्। केन रचितम् इदम् महाकाव्यम्?
রামায়ণ অবলম্বন করে রচিত একটি মহাকাব্যের নাম লেখো। মহাকাব্যটির রচয়িতা কে?

(m) संक्षिप्ता टीका लेख्या–माघः
সংক্ষিপ্ত টীকা লেখো—মাঘঃ

(n) अश्वघोषविरचितानां महाकाव्यानां संख्या नाम च लिखत।
অশ্বঘোষ রচিত মহাকাব্যের সংখ্যা ও নাম লেখো।

(o) 'बृहतत्रयी' इति शब्देन किं बोध्यते?
বৃহৎত্রয়ী বলতে কী বোঝো?

2. निम्नलिखितप्रश्नेषु यथेच्छं प्रश्न *चतुष्टयं* लिख्यताम्। तन्मध्ये प्रश्नद्वयं अवश्यमेव संस्कृतभाषया लिख्यताम्। 5×4=20
নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে *চারটি* প্রশ্নের উত্তর লিখতে হবে। তার মধ্যে দুটি অবশ্যই সংস্কৃত ভাষায় লিখতে হবে।

(a) बङ्गभाषया अनुवादः कार्यः
বাংলা ভাষায় অনুবাদ করো ঃ
निर्बन्धपृष्टः स जगाद सर्वं
स्तुवन्ति पौराश्चरितं त्वदीयम्।
अन्यत्र रक्षोमवनोषितायाः
परिग्रहान्मानवदेव देव्याः।

अथवा,

सा लुप्तसंज्ञा न विवेद
दु:खं प्रत्यागतासु: समतप्यतान्त:
तस्या: सुमित्रात्मजयत्नलब्धो
मोहादभ्रत् कष्टतर: प्रबोध:

(b) बङ्गभाषया अनुवाद: कार्य:
বাংলা ভাষায় অনুবাদ করো ঃ
श्रिय: कुरूणामधिपस्य पालनीं
प्रजासु वृत्तिं यमयुंक्त वेदितुम्।
स वर्णिलिङ्गी विदित: समाययौ
युधिष्ठिरं द्वैतवने वनेचर:।।

अथवा,

नदाशु कर्तु त्वयि जिह्ममुद्यते
विधीयतां तत्र विधेयमुत्तरम्।
परप्रणीतानि वचांसि चिन्वतां
प्रवृत्तिसारा: खलु मादृशं गिर:।।

(c) सप्रसङ्गं सरलसंस्कृतभाषया व्याख्यायताम्।
সপ্রসঙ্গ সরলসংস্কৃতে ব্যাখ্যা লেখো ঃ
साहं तप: सूर्यनिविष्टदृष्टिरूर्ध्वं प्रसूते
–श्चरितुं यतिष्ये।
भुयो यथा मे जननान्तरेऽपि त्वमेव
भर्ता न च विप्रयोग:।।

अथवा,

कृतारिषड्वर्गजयेन मानवीमगम्यरूपां
पदवीं प्रपित्सुना
विभज्य नक्तदिवसस्ततन्दिणा वितन्यते
तेन नयेन पौरुषम्।

(d) संस्कृतभाषया भावसम्प्रसारणं कुरु।
সংস্কৃত ভাষায় ভাব-সম্প্রসারণ করো ঃ
न हि प्रियं प्रवक्तुमिच्छन्ति मृषा हितैषिण:।

अथवा,

यशोधनानां हि यशो गरीय:।

(e) 'नैषधीयचरितम्' इति महाकाव्यस्य प्रणेता कः? कति सर्गाः विद्यन्ते अस्मिन् काव्ये? अस्य काव्यस्य उत्सः कः?
'নৈষধীয়চরিতম্' মহাকাব্যটির রচয়তা কে? এই কাব্যে কতগুলি সর্গ আছে? কাব্যটির উৎস কি?

(f) 'सौन्दरनन्दम्' इति काव्यं केन विरचितम्? अस्य काव्यस्य वैशिष्ट्यानि समासतः लिख्यन्ताम्।
'সৌন্দরনন্দম্' কাব্যটি কে রচনা করেছেন? এই কাব্যের বৈশিষ্ট্যগুলি সংক্ষেপে আলোচনা করো।

3. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु यथेच्छं प्रश्नद्वयं लिख्यताम्: 10×2=20
নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে যে কোনো *দুটি* প্রশ্নের উত্তর দাও ঃ

(a) भ्रातृणां समीपे सीता-परित्यागविषये रामचन्द्रेण प्रदत्ताः युक्तयः विश्लिष्यन्ताम्। युक्तिषु रामचन्दस्य यत् चरित्रं प्रकाशितं तत् समासतः लिख्यताम्।
রামচন্দ্র সীতা পরিত্যাগবিষয়ে ভ্রাতাদের কাছে যে যুক্তিগুলি প্রদর্শন করেছেন সেগুলি বিশ্লেষণ করো। এই যুক্তিগুলির মধ্যদিয়ে রামচন্দ্রের যে চরিত্র প্রকাশিত হয়েছে তা সংক্ষেপে লেখ।

(b) को वनेचरः? वनेचरस्य वक्तव्यं विशदीक्रियताम्।
বনেচর কে? বনেচরের বক্তব্য আলোচনা করো।

(c) 'उपमा कालिदासस्य'- उक्तिरियम् आलोच्यताम्।
'উপমা কালিদাসস্য'- উক্তিটি আলোচনা করো।

(d) टीका लेख्या :
টীকা লেখো ঃ
(i) कुमारसम्भवम्
কুমারসম্ভবম্
(ii) भट्टिकाव्यम्
ভট্টিকাব্যম্